बधिरान्ध बहुदिव्यांग बच्चों के अधिकारों तथा पुनर्वास हेतु दो दिवसीय राज्य स्तरीय बैठक सम्पन्न

श्रीगंगानगर, 31 जनवरी। बधिरान्ध तथा बहुदिव्यांग बच्चों के हितों के संरक्षण तथा इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं उन्हें मिलने वाली सरकारी व सामाजिक सुविधाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से राजस्थान स्टेट नेटवर्क एवं स्टेकहोल्डर्स की दो दिवसीय मीटिंग का सफल आयोजन किया गया। सेन्स इंटरनेशनल इंडिया तथा मुकुल माधव फाउंडेशन के सहयोग से नवचेतना सोसायटी द्वारा आयोजित राजस्थान स्टेट एडवोकेसी विजिट एवं बैठक में सेन्स इंटरनेशनल इंडिया की टेक्निकल टीम के सदस्यों ने विशेष रूप से मौजूद रहकर अपनी सहभागिता निभाई।

नवचेतना बहुदिव्यांग संस्थान संस्थापक ओम बवेजा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिन नवचेतना सोसायटी के तत्वावधान में बधिरान्ध बहुदिव्यांग बच्चों, उनके अभिभावकों और सेन्स इंडिया की टीम ने एक विशेष एडवोकेसी विजिट की। इस दौरान टीम ने जिला कलेक्टर सहित विभिन्न संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों से मुलाकात की। अभिभावकों ने बच्चों के शिक्षण, कौशल प्रशिक्षण तथा पुनर्वास के मार्ग में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा तथा लिखित ज्ञापन के माध्यम से इन चुनौतियों के त्वरित समाधान की मांग की।

आयोजन के दूसरे दिन विस्तृत बैठक आयोजित की गई। इस सत्र में अभिभावकों को सीधे उच्चाधिकारियों से संवाद करने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखकर निराकरण का आग्रह किया। इसी सत्र में सेन्स इंडिया टीम तथा नवचेतना सोसायटी के विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा क्षमतावर्धन कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसमें अभिभावकों को बधिरान्ध बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनके विशेष शिक्षा ढांचे और पुनर्वास की आधुनिक पद्धतियों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 70 बधिरान्ध बहुदिव्यांग बच्चों के अभिभावकों तथा उनके भाई-बहनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।